आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–15 जुलाई 2024 भोजपुरी समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु ऊर्जा विभाग क मंत्री के मौजूदगी में प्रदेस में बिजुली उत्पादन, पारेषण अउर वितरण के अद्यतन स्थिति क समीक्षा करत भविष्य के देख के चलि रहल कोसिसन क समीक्षा कइलें। बइठकी में उत्तर प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथे साथ सज्जों डिस्कॉम क सीनियन अधिकारियों मौजद रहलें। येह बिच्चे मुख्यमंत्री कहले कि बिजुली क मांगि तेजी से बढ़ि रहल हौ। बरिस दुई हजार अट्ठारह–ओन्नइस में एक दिन में सबसे बेसि बीस हजार बासठ में मेगावाट क मांगि रहलि जवन येह सत्र में तेरह जून के तीस हजार छौ सौ अट्ठारह मेगावाट ले पहुचि गइल उहां के अधिकारी लोगिन के निरदेस देहली कि मांगि के हिसाबि से बिजुली आपूर्ति सुनिश्चित करावें। उहां के कहलीं कि हर घर बिजुली–निर्बाध बिजुली के संकल्प क पूर्ति में विद्युत पारेषण तंत्र के अउर बेहतर कइल गइल जरूरी हौ। नया सब स्टेसन स्थापित कइले स पहिले ओइजा के जरूरति क अध्ययन जरूर कइल जाव। अगिला पांच बरिस क जरूरत के हिसाबि से लक्ष्य निर्धारित करत नया सब स्टेसनन क स्थापना करावल जाव।

श्री योगी कहले कि गांव होखे चाहे नगरीय क्षेत्र, ट्रांसफार्मर खराब भइले पर ओके जुरते दुरूस्त कइल जाव। जरूरति परले पर नया ट्रांसफारमर लगावल जाव। ट्रांसफारमर क मरम्मति करे वाली एजेंसियन के कारो क अवलोकन कइल जाव अउर टोल फ्री नम्बर अउर हेल्पलाइन पर आवे वाला हर कॉल अटेंड कइल जाव।

उहां के कहलीं कि उपभोक्ता के समेस्या क समय से समाधान कइल जाव। श्री योगी कहलें कि बिजुली कनेक्सन चार्ज तय कइले के ले के हमेसा लोगिन में असंतुस्टी देखल गइल हौ। ई जरूरी हौ कि एहमें एकरूपता होखे। एकरे खातिर नियमन में सुधार कइल जाव। जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर चार्ज के कम कइल जाव अउर आम लोगिन क सुविधा अउर सहूलियत के प्राथमिकता दीहल जाव। मुख्यमंत्री कहलें कि पावर कार्पोरेसन के सामने सबसे बड़हन चुनौती सही बिल अउर समय पर बिल उपलब्ध करावल हौ अउर सज्जो उपभोक्ता लोगिन से बिल के रासि क संग्रह कइल हौ। हर दसा में ई सुनिस्चित कइल जाव कि एक्को उपभोक्ता के गलत बिजुली बिल न मिले अउर सबके समय से बिल मिलि जाव। उहां के कहलीं कि अधिकारी उपभोक्ता लोगिन से संवाद बनावें। श्री योगी कहलें कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजुली योजना बदे लोगिन में उछाह हौ। अबले अठारह लाख से बेसी लोगि येह योजना से जुड़े बदे पंजीकरण करवले हवें। उचित होई कि येह योजना क पुरहर परचार–परसार कइल जाव अउर जियादा से जियादा लोगिन के योजना क जनकारी दीहल जाव। उहां के कहलीं कि अजोध्या के साथे–साथ सज्जो नगर निगमन के सोलर सिटी के रूप में बिकसित करे बदे जरूरी कार्यवाही कइल जाव।

****

महाकुंभ दुइ हजार पचीस से पहिले गंगा एक्सप्रेस–वे क कार पूरा भइले के सथहीं एके यातयात बदे खेलि दीहल जाई। प्रदेस सरकार क लक्ष्य एकतीस दिसम्बर दुइ हजार चउबीस के येह एक्सप्रेस–वे क मुख्य कैरिज वे के पूरा करे के हौ जबकि अउरियो कार्यन के पूरा करे बदे नवम्बर दुइ हजार पचीस ले क लक्ष्य तय कइल गइल हौ। मेरठ के बिजौली से प्रयागराज क जूडापुर दांदू ले पांच सौ चौरानबे किलोमीटर लमहर येह एक्सप्रेस–वे से पच्छिमी यूपी अउर पूरबी यूपी क दूरी अउर समय दुन्नो घटि जाई। प्रदेस क बारह जिलन से हो के गुजरे वाला ई एक्सप्रेस–वे छत्तीस हजार दुइ सौ तीस करोड़ रूपिया क लागति से बनि रहल हौ। गंगा एक्सप्रेस–वे प्रदेस क पांच सौ अठारह गांवन से हो के जाई। सुरूआति में एके छौ लेन क बनावल जा रहल हौ, जेके आगे चलि के आठ लेन क कइल जाये के हौ। येह एक्सप्रेस–वे पर चउदह बड़हन ब्रिज, सात आरओबी अउर बत्तीस फ्लाइओवर बनि रहल हौ। ईहे नाहीं येह पर शाहजहांपुर क जलालाबाद के लग्गे साढ़े तीनि किलोमीटर लमहर हवाई पट्टियो होई, जेह पर कवनहूं आपातकाल में बड़हन बोइंग विमान उतरि सके लें। गंगा एक्सप्रेस–वे पर मेरठ अउर प्रयागराज में दुइ मुख्य जबकि अउरियो जगहिनि पर पनरह रैम्प टोल प्लाजा होई। येह पर नौ जनसुविधा परिसरो क सुविधा होई।

****

देस क पहिला हाईड्रोजन चालित जलयान काल्हि गाजीपुर से चलि के बनारस पहुंच गइल। ऐके बनारस के राल्हूपुर क मल्टीमॉडल ट्रर्मिनल पर पार्क कइल गइल। इण्डियन वाटरवेज अथारिटी ऑफ इण्डिया क ओइजा क अधिकारी लोगि एक दिन पहिलही मल्टीमॉडल ट्रर्मिनल क निरीक्षण कइले रहले। सबकुछ सही पावल गइले पर जलयान के ओइजा पार्क करावल गइल। येह जलयान के महाकुभं के समय काशी से प्रयागराज के बिच्चे चलावल जाई। इण्डियन वाटरवेज अथारिटी ऑफ इण्डिया क अधिकारी लोगिन के हिसाबि से जलयान के अंदरूनी हिस्सा में अबहिन कई काम होखे के हौ। सजावट और लाईटिंग पर कार करे के हौ। उहां के बतवलीं कि जलयान ईधन क आपूर्ति बदे बनारस में गंगा किनारे हाईड्रोजन प्लांटो स्थापित कइल जाइ। गंगा मे चलावल जाए वाले येह जलयान में पचास लोगिन के बइठले क इतिजाम हौ। दुई मंजिला ई जलयान लगभग अट्ठाइस मीटर लंबा अउर पांच मीटर आठ सेंटीमीटर चौड़ा हौ। ऐकर कुल वजन करीब बीस टन हौ अउर ऐकर रफ्तार बीस से पचीस किलोमीटर प्रतिघंटा हौ। येह जलयान का निर्माण कोच्चि शिपयार्ड में भइल हौ। ऐके कोच्चि से, पहिले कोलकाता लावल गइल अउर फेर ओंहा के गंगा नदी के राहि बनारस लावल गइल।

****